Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—5008

PAPER—III

INDIAN CULTURE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

INDIAN CULTURE

भारतीय संस्कृति

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

It is assumed that there are four objectives in a man's life, namely, ***Dharm***, ***Arth***, ***Kām*** and ***Moksh***. The highest of these objectives is ***Moksh*** which is also referred to as ***Mukti***, ***Amritatva, Nishreyas*** and ***Kaivalya*** or ***Apavarga***. To attain ***Moksh***, a man has to practice ***Nirved*** (indifference to worldly objects) and ***Vairagya*** (liberation from worldly desires).

Based on their divine thoughts and experiences, Indian authors had expressed their views on '***Doctrine of Ashrams***'; their theory and practice. During ***Brahmacharya*** (celibacy), a man had to live under strict discipline and solemn resolutions, and was required to gain knowledge from the preserved ancient literature, and to adapt to obedience, respectfulness, plain living and high thinking. After the completion of ***Brahmacharya***, he used to get married and become a householder, taste the worldly pleasures, enjoy life, produce children, fulfil his responsibilities towards his children, friends, relatives and neighbours, and used to become an useful, diligent and able citizen as also the founder of a family tree. It is said that around 50 years of age, a man began to feel aversions towards the pleasures of life and the thirst for longings, and moved out into the forest wherein he spent a self-restraint, ascetic and guilt-free life. Thereafter, he entered the ***Sanyas Ashram***. Only during this phase, a man could attain his ultimate goal, i.e., ***Moksh***, or else, he had to go through several life-cycles until its attainment.

The ***Doctrine of Varnas*** (casteism) was for the entire society whereas the ***Doctrine of Ashrams*** (monastery) was for an individual. The purpose of the ***Doctrine of Varnas*** was to make the members of the Aryan Society aware of their rights, working, existence, duties and responsibilities. But, the purpose of the ***Doctrine of Ashrams*** was to make an individual aware of his spiritual goal and of the preparations he is required to make to attain the same. Undisputedly, the ***Doctrine of Ashrams*** was a brilliant concept.

मानव-जीवन के अस्तित्व के चार लक्ष्य माने गये हैं - ***धर्म, अर्थ, काम*** एवं ***मोक्ष***। सर्वोत्तम लक्ष्य है ***मोक्ष,*** जिसे कई नामों से पुकारा जाता है, यथा ***मुक्ति, अमृतत्व, निःश्रेयस, कैवल्य*** या ***अपवर्ग*** इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति को ***निर्वेद*** एवं ***वैराग्य*** धारण करना चाहिए। भारतीय लेखकों ने अपने दिव्य दर्शन एवं प्रकाश के अनुसार ***आश्रमों के सिद्धान्त*** एवं व्यवहार के विषय में अपने मत दिये हैं। ***ब्रह्मचर्य*** में व्यक्ति को अनुशासन एवं संकल्प के अनुसार रहना पड़ता था, उसे अतीत काल के साहित्यिक भण्डार का ज्ञान प्राप्त करना पड़ता था, उसे आज्ञाकारिता, आदर, सादे जीवन एवं उच्च विचार के सद्‌गुण सीखने पड़ते थे। ***ब्रह्मचर्य*** के उपरान्त व्यक्ति विवाह करता था, गृहस्थ होता था, संसार के आनन्द का स्वाद लेता था, जीवन का उपभोग करता था, सन्तानोत्पत्ति करता था, अपनी सन्तानों, मित्रों, सम्बन्धियों, पड़ोसियों के प्रति अपने कर्तव्य करता था, उपयोगी, परिश्रमी एवं योग्य नागरिक होता था तथा एक कुल का संस्थापक होता था। ऐसा कहा गया है कि ५० वर्ष के लगभग की अवस्था हो जाने पर वह संसार के सुख एवं वासनाओं की भूख से ऊब उठता था तथा वन की राह ले लेता था, जहाँ वह आत्म-निग्रही, तपस्वी एवं निरपराध जीवन बिताता था। इसके उपरान्त ***संन्यास का आश्रम*** आता था। वह इसी जीवन में अन्तिम ***लक्ष्य (मोक्ष)*** प्राप्त कर सकता है, यह इसी प्रकार के कई जीवनों तक वह चलता जायेगा, जब तक कि उसे मुक्ति न प्राप्त हो जाय। ***वर्ण का सिद्धान्त*** सम्पूर्ण समाज के लिए था, किन्तु ***आश्रम का सिद्धान्त*** व्यक्ति के लिए था। आर्य समाज के सदस्य के रूप में व्यक्ति के अधिकारों, कार्य-कलापों, स्वत्वों, उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यों की ओर संकेत करना वर्ण-सिद्धान्त का कार्य था। किन्तु ***आश्रम-सिद्धान्त*** यह बताता था कि व्यक्ति का आध्यात्मिक लक्ष्य क्या है, उसे अपने जीवन को किस प्रकार ले चलाना है तथा अन्तिम लक्ष्य की प्राप्ति में उसे क्या-क्या तैयारियाँ करनी हैं। निस्सन्देह, ***आश्रम-सिद्धान्त*** एक उत्कृष्ट धारणा थी।

1. What does the author mean by the term 'Purushartha' ?

लेखक का 'पुरुषार्थ' शब्द से क्या तात्पर्य है?

2. What ideals are envisaged for a Brahmachari ?
बह्मचारी के लिये क्या आदर्श परिकल्पित है?

3. Why was the Vanaprastha Ashrama undertaken ?
वानप्रस्थ आश्रम का वरण क्यों किया जाता था?

4. What is the significance of Moksha in the scheme of Purshartha-Chatushtaya ?
पुरुषार्थ-चतुष्टय की संकल्पना में मोक्ष का क्या महत्व है?

5. How were the ancient Indian Varna and Ashrama systems different from each other ?
प्राचीन भारतीय वर्ण एवं आश्रम व्यवस्थायें किस प्रकार एक दूसरे से भिन्न थी?

SECTION - II
खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 Marks)**

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. What is Culture ?

संस्कृति क्या है?

7. 'Beside Mohenjodaro and Harappa, a number of other sites, belonging to the same Chalcolithic age, were discovered in the valley of Sindhu, South Punjab and Baluchistan'. Name some of them.

'मोहेनजोदड़ो एवं हड़प्पा के अतिरिक्त, उसी ताम्राश्म काल से सम्बन्धित कई अन्य स्थल, सिन्धु घाटी, दक्षिण पंजाब तथा बलूचिस्तान में खोजे गये हैं'। कुछ के नाम बताइये।

8. Which are the 'Three Jewels' and 'Five Great Vows' of Jainism ?
जैन धर्म के 'त्रिरत्न' एवं 'पञ्च महाव्रत कौन-कौन से हैं?

9. What was the technique of manufacturing the Punch Marked Coins ?
पञ्च मार्क सिक्कों के निर्माण की तकनीक क्या थी?

10. Mention the categories of forts given in the Arthashastra.
अर्थशास्त्र में वर्णित दुर्गों के प्रकार का उल्लेख कीजिये।

11. What is the significance of Tamil text Tolkappiam ?
तमिल ग्रन्थ तोलकाप्पियम का क्या महत्व है?

12. Which forms of marriage are considered as approved by the ancient Indian Smritis ?
प्राचीन भारतीय स्मृतियों द्वारा किन विवाह प्रकारों को प्रशस्त माना गया है?

13. Identify some early Indian works on Ayurveda.
भारत के कुछ प्रारम्भिक आयुर्वेद के ग्रन्थों की पहचान कीजिये।

14. Briefly describe 'Gopuram'.
संक्षेप में 'गोपुरम' का वर्णन कीजिये।

15. Explain the philosophy of Vishisht-Advaitvad.
विशिष्ठ-अद्वैतवाद के दर्शन की व्याख्या कीजिये।

16. What is ***sama*** ?

समा क्या है ?

17. Why did Akbar set up a Maktabkhana ?

अकबर ने मकतबखाना की स्थापना क्यों की थी ?

18. Explain the importance of Aligarh Movement.
अलीगढ़ आन्दोलन के महत्व की व्याख्या कीजिए।

19. What is "Filtration Theory" ?
फिल्ट्रेशन थियोरी क्या है?

20. What were "Suddhi" and "Sanghatan" Movements ?

'शुद्धि' और 'संगठन' आन्दोलन क्या थे?

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 Marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I / विकल्प – I

21. Examine critically the statement that 'the Upanisadic thoughts are unique'.

'उपनिषदिक चिन्तन अनूठा है', इस कथन की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।

22. Bring out the distinctive features of the Indian Sramana tradition.

भारतीय श्रमण परम्परा के वैशिष्ट्य का निरुपण कीजिये।

23. Discuss the concept of Hindu 'Avataravada'.

हिन्दू 'अवतारवाद' की अवधारणा का विवेचन कीजिये।

24. What are the main tenets of the Saiva Siddhanta School ?
शैव सिद्धान्त सम्प्रदाय की मूल शिक्षायें क्या हैं?

25. Evaluate the attitude of nineteenth century Indian thinkers towards Vedic tradition.
वैदिक परम्परा के प्रति उन्नसवीं शती के भारतीय विचारकों के दृष्टिकोण का मूल्यांकन कीजिये।

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प—II

21. Discuss the salient features of the Mauryan sculptural art.
मौर्य मूर्ति-कला के प्रमुख लक्षणों का विवेचन कीजिये।

22. Trace the evolution of Stupa-architecture.
स्तूप-स्थापत्य के विकास को रेखांकित कीजिये।

23. 'In its concept and design the Kailasa temple of Ellora is a marvel of Indian art'. Examine.
'अपनी परिकल्पना और संरचना में एलोरा का कैलाश मन्दिर भारतीय कला का उत्कृष्ट उदाहरण हैं'। परीक्षा कीजिये।

24. Analyse the main features of the Bagh paintings.
बाघ चित्रकला की मुख्य विशेषताओं का विश्लेषण कीजिये।

25. What are the main features of the Pallava temple-architecture ?
पल्लव मन्दिर-स्थापत्य की मुख्य विशेषतायें क्या हैं?

OR / अथवा

Elective - III / विकल्प—III

21. Describe briefly the duties, means of livelihood and mutual relations of the four Varnas as enunciated in the Dharmasastras.
धर्मशास्त्रों में प्रतिपादित चारों वर्णों के कर्त्तव्यों, जीविका के साधनों एवं पारस्परिक सम्बन्धों का संक्षिप्त विवरण दीजिये।

22. Write a critical note on the Hindu 'Upanayana Sansākara'.
हिन्दू 'उपनयन संस्कार' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

23. Evaluate the contribution of the Buddhist centres of education.
बौद्ध शिक्षा केन्द्रों के योगदान का मूल्यांकन कीजिये।

24. 'There was definite decline in the sea-trade of early medieval India'. Discuss.
'पूर्व मध्यकालीन भारत में सामुद्रिक व्यापार में निश्चित ह्रास हुआ', विवेचन कीजिये।

25. Were the Chola village assemblies truly democratic in nature ?

क्या चोल ग्राम सभायें अपने स्वरुप में वास्तव में जनतान्त्रिक थी ?

OR / अथवा

Elective - IV / विकल्प – IV

21. What were the features common to the different Bhakti Movements of the medieval period ?

मध्यकालीन भक्ति आन्दोलनों के समान लक्षण क्या थे ?

22. Discuss the salient features of the architectural styles of the Khaljis and the Tughlaqs.

खलजी तथा तुगलक शैली की स्थापत्य कला की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

23. Discuss the significance of Virupaksha cult and temple in the Vijaynagara empire.

विजयनगर साम्राज्य में विरुपाक्ष सम्प्रदाय एवं मंदिर के महत्व का वर्णन कीजिये।

24. Explain the major characteristics of the Mughal style of Painting.

चित्रकला की मुगल शैली की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिये।

25. Describe the contribution of Dara Shukoh in the sphere of religious syncretism.

धार्मिक समन्वय की दिशा में दारा शुकोह के योगदान का वर्णन कीजिये।

OR / अथवा

Elective - V / विकल्प – V

21. Examine the impact of English education on Indian Society and Culture.

भारतीय समाज और संस्कृति पर अंग्रेजी शिक्षा के प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

22. In what ways Gandhi's technique of mobilising popular support differed from others ?

लोक-समर्थन प्राप्त करने में गांधीजी की तकनीक में अन्य नेताओं से क्या भिन्नता थी ?

23. What were the important contributions of the Theosophical society to Indian politics and society ?

भारतीय राजनीति और समाज को थियोसेफिकल सोसायटी का क्या महत्वपूर्ण योगदान थे ?

24. Explain the main provisions of the Montague-Chelmsford Reforms.

मोंटेगू-चैम्सफोर्ड सुधारों के मुख्य प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए।

25. How were the native states got accessed to Indian Union in the wake of Independence ?

स्वतन्त्र्योत्तर भारत में देशीय राज्यों को भारत संघ में कैसे सम्मलित किया गया ?

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 Marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Do you agree with the view that 'Dharma-Sanchaya' was the central ideal of Hindu family life ?

क्या आप इस मत से सहमत हैं कि धर्म-संचय हिन्दू पारिवारिक जीवन का मुख्य आदर्श था?

OR / अथवा

Write a critical essay on the concept of 'Rajadharma' in ancient India.

प्राचीन भारतीय 'राजधर्म' की अवधारणा पर आलोचनात्मक लेख लिखिये।

OR / अथवा

Sketch briefly the scientific development in ancient India.

प्राचीन भारत के वैज्ञानिक विकास का संक्षिप्त रेखांकन कीजिये।

OR / अथवा

Bring out the salient features of the structure of the rural society in medieval India.

मध्यकालीन भारत के ग्रामीण समाज की संरचना की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

"The British rule in India was both regenerative as well as degenerative" - Validate your answer with examples.

''भारत में ब्रिटिश शासन पुनर्उत्पादक और विनाशक दोनों था'' अपने उत्तर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....